सीएसए में वर्चुअल प्रतियोगिता : चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) पर्यावरण चेतना को लेकर वर्चुअल प्रतियोगिता हुई। शुभारंभ कुलपति डॉ. डीआर सिंह ने किया।

विवि के मीडिया प्रभारी डॉ. खलील खान ने बताया कि बीएससी फॉरेस्ट्री द्वितीय वर्ष के छात्र राजा तिवारी ने जैव विविधता का संरक्षण विषय जानकारी दी। सूक्ष्म जीवों की विभिन्न प्रजातियां जहरीले बेकार पदार्थों के साफ-सफाई में सहायक हैं। वहीं, विवि में एनएसएस के छात्रों के बीच पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। इसका आयोजन डॉ. अर्चना सिंह ने किया।

आर.एन.आई.नं.- UPHIN/2009/44666

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

सत्ता एक्सप्रेस

डी.ए.वी.पी नई दिल्ली एवं राज्य सरकार द्वारा विज्ञापन मान्यता प्राप्त

वर्ष: 12 अंक : 93 कानपुर देहात, बुधवार 13 जनवरी, 2021 Email: sattaexpress@rediffmail.com

स्वामी विवेकानंद के जीवन दर्शन पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन

दैनिक सत्ता एक्सप्रेस

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद .षि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के गृह विज्ञान विभाग की एनएसएस इकाई –3 द्वारा स्वामी विवेकानंद जी के जीवन चरित्र एवं शिक्षा विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अधिष्ठाता ग्रह विज्ञान डॉक्टर वेदरतन ने बताया कि

स्वामी विवेकानंद जी का जन्म 12 जनवरी 1863 को हुआ था। आपका घर का नाम नरेंद्र दत्त था।स्वामी जी की बुद्धि बचपन से ही बड़ी तीव्र थी और परमात्मा को पाने की लालसा भी प्रबल थी। उन्होंने राम.ष्ण मिशन की स्थापना की थी। डॉक्टर वेदरतन ने बताया कि स्वामी जी के अनुसार हर व्यक्ति को समान रूप से धन, शिक्षा व ज्ञान अर्जित करने का प्रा.तिक अधिकार होना चाहिए।उन्होंने बताया कि स्वामी जी का विचार था कि सामाजिक स्वतंत्रता तथा सामाजिक समानता के बीच समन्वय बिठाकर ही सामाजिक उत्थान के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है।कार्यक्रम समन्वयक डॉ अर्चना सिंह ने बताया कि इस पोस्टर प्रतियोगिता में लगभग 20 छात्राओं ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर डॉ रश्मि सिंह सहित संकाय सदस्य डॉ विनीता सिंह, डॉ मुक्ता गर्ग,डॉक्टर सीमा सोनकर सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

अमर उजाला
बुधवार • 13.01.2021
05
kanpur.amarujala.com

सीएसए विकसित करेगा ड्रैगन फ्रूट के पौधे

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में कैल्शियम, विटामिन, आयरन, फाइबर, वसा समेत अन्य पोषक तत्वों से भरपूर ड्रैगन फ्रूट के पौधों को विकसित करने की तैयारी चल रही है। सीएसए ने हैदराबाद स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के संस्थान से फलों के टिश्यू कल्चर लिए हैं। इनसे नर्सरी तैयार की जाएगी। पौधे बनते ही इन्हें किसानों को उगाने के लिए दिया जाएगा। निदेशक शोध डॉ. एचजी प्रकाश ने बताया कि ड्रैगन फ्रूट अमेरिका, इजराइल, थाईलैंड समेत कई देशों में उगाया जाता है। फल की विशेषता और इसकी मांग को देखते हुए यहां भी पैदावार होने लगी है। फल का रंग हल्का लाल, अंदर सफेद रंग का गूदा और बीज काले रहते हैं। (संवाद)

आज
कानपुर
13 जनवरी, 2021
11

भारतीय संस्कृति में सदैव विद्यमान हैं पर्यावरण संरक्षण

कानपुर, 12 जनवरी । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में आज स्वामी विवेकानंद जी के जन्म दिवस (राष्टीय युवा दिवस) के अवसर पर पर्यावरण चेतना की चिरस्थ्ययित्व हेतु एक वर्चुअल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सीएसए के कुलपति डॉ डी.आर. सिंह ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण का भाव भारतीय संस्कृति में सदैव से विद्यमान रहा है। पर्यावरण चेतना को विकसित करने के लिए युगा अनुकूल चिंतन की जरूरत है। उन्होंने कहा कि पर्यावरणीय आधुनिकीकरण द्वारा पर्यावरण को संरक्षित किया जा सकता है। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के लिए हुए चिपको, मैती, रक्षा सूत्र आंदोलन के पर्यावरण व सामाजिक प्रभावों पर भी प्रकाश डाला। वर्चुअल स्तर से 125 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर डॉ एच जी प्रकाश, डॉक्टर धर्मराज सिंह,डॉ संजीत्र कुमार, डा डी डी यादव, डॉ विश्राम सिंह आदि थे।

सीएसए में वर्चुअल प्रतियोगिता : चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) पर्यावरण चेतना को लेकर वर्चुअल प्रतियोगिता हुई। शुभारंभ कुलपति डॉ. डीआर सिंह ने किया।

विवि के मीडिया प्रभारी डॉ. खलील खान ने बताया कि बीएससी फॉरेस्ट्री द्वितीय वर्ष के छात्र राजा तिवारी ने जैव विविधता का संरक्षण विषय जानकारी दी। सूक्ष्म जीवों की विभिन्न प्रजातियां जहरीले बेकार पदार्थों के साफ-सफाई में सहायक हैं। वहीं, विवि में एनएसएस के छात्रों के बीच पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। इसका आयोजन डॉ. अर्चना सिंह ने किया।

आर.एन.आई.नं.- UPHIN/2009/44666

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

सत्ता एक्सप्रेस

डी.ए.वी.पी नई दिल्ली एवं राज्य सरकार द्वारा विज्ञापन मान्यता प्राप्त

वर्ष: 12 अंक : 93 कानपुर देहात, बुधवार 13,जनवरी,2021 Email: sattaexpress@rediffmail.com

स्वामी विवेकानंद के जीवन दर्शन पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन

दैनिक सत्ता एक्सप्रेस

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद .षि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के गृह विज्ञान विभाग की एनएसएस इकाई –3 द्वारा स्वामी विवेकानंद जी के जीवन चरित्र एवं शिक्षा विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अधिष्ठाता ग्रह विज्ञान डॉक्टर वेदरतन ने बताया कि

स्वामी विवेकानंद जी का जन्म 12 जनवरी 1863 को हुआ था। आपका घर का नाम नरेंद्र दत्त था।स्वामी जी की बुद्धि बचपन से ही बड़ी तीव्र थी और परमात्मा को पाने की लालसा भी प्रबल थी। उन्होंने राम.ष्ण मिशन की स्थापना की थी। डॉक्टर वेदरतन ने बताया कि स्वामी जी के अनुसार हर व्यक्ति को समान रूप से धन, शिक्षा व ज्ञान अर्जित करने का प्रा.तिक अधिकार होना चाहिए।उन्होंने बताया कि स्वामी जी का विचार था कि सामाजिक स्वतंत्रता तथा सामाजिक समानता के बीच समन्वय बिठाकर ही सामाजिक उत्थान के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है।कार्यक्रम समन्वयक डॉ अर्चना सिंह ने बताया कि इस पोस्टर प्रतियोगिता में लगभग 20 छात्राओं ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर डॉ रश्मि सिंह सहित संकाय सदस्य डॉ विनीता सिंह, डॉ मुक्ता गर्ग,डॉक्टर सीमा सोनकर सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

अमर उजाला
बुधवार • 13.01.2021 05
kanpur.amarujala.com

सीएसए विकसित करेगा ड्रैगन फ्रूट के पौधे

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में कैल्शियम, विटामिन, आयरन, फाइबर, वसा समेत अन्य पोषक तत्वों से भरपूर ड्रैगन फ्रूट के पौधों को विकसित करने की तैयारी चल रही है। सीएसए ने हैदराबाद स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के संस्थान से फलों के टिश्यू कल्चर लिए हैं। इनसे नर्सरी तैयार की जाएगी। पौधे बनते ही इन्हें किसानों को उगाने के लिए दिया जाएगा। निदेशक शोध डॉ. एचजी प्रकाश ने बताया कि ड्रैगन फ्रूट अमेरिका, इजराइल, थाईलैंड समेत कई देशों में उगाया जाता है। फल की विशेषता और इसकी मांग को देखते हुए यहां भी पैदावार होने लगी है। फल का रंग हल्का लाल, अंदर सफेद रंग का गूदा और बीज काले रहते हैं। (संवाद)

स्वामी विवेकानंद की सीख न सिर्फ छात्र-छात्राओं के लिए बल्कि शिक्षकों के उनके स्वयं के विकास के लिए बेहद आवश्यक है।

सीएसए में स्वामी जी की जंयती के अवसर पर पर्यावरण चेतना पर वर्चुअल प्रतियोगिता

आधुनिकीकरण द्वारा पर्यावरण को किया जा सकता है संरक्षित : कुलपति

पर्यावरण चेतना को विकसित करने के लिए युगा अनुकूल चिंतन की जरूरत है

भास्कर न्यूज़

कानपुर। सीएसए में स्वामी विवेकानंद जी के जंयती अवसर पर पर्यावरण चेतना की चिरस्थायित्व हेतु एक वर्चुअल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. डी.आर. सिंह रहे। कुलपति ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण का भाव भारतीय संस्कृति में सदैव से विद्यमान रहा है। पर्यावरण चेतना को विकसित करने के लिए युगाअनुकूल चिंतन की जरूरत है। उन्होंने कहा कि पर्यावरणीय आधुनिकीकरण द्वारा पर्यावरण को संरक्षित किया जा सकता है। जरूरत है उसके लिए पूरे मनोयोग से प्रयास करने की। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के लिए हुए चिपको, मैत्री, रक्षा सूत्र आंदोलन के पर्यावरण व सामाजिक प्रभावों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि देश के विकास में युवा पीढ़ी का बहुत बड़ा योगदान होता है। देश के युवाओं को सही मार्गदर्शन मिल सके। इसके लिए प्रत्येक वर्ष स्वामी विवेकानंद जी की जन्म दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय युवा दिवस मनाया जाता है। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने बताया कि इस अवसर पर बीएससी फॉरेस्ट्री द्वितीय वर्ष के छात्र राजा तिवारी ने जैव विविधता का संरक्षण विषय पर अपना व्याख्यान दिया।श्री तिवारी ने बताया कि जैव विविधता पर्यावरण प्रदूषण के निस्तारण में सहायक होती है। प्रदूषक का विघटन तथा उनका अवशोषण कुछ पौधों की विशेषता होती है।उन्होंने कहा कि सूक्ष्म जीवो की विभिन्न प्रजातियां जहरीले बेकार पदार्थों के साफ सफाई मे सहायक है। इस वर्चुअल प्रतियोगिता मे आज 22 छात्र छात्राओं ने प्रतिभाग कर अपने अपने व्याख्यान दिए।

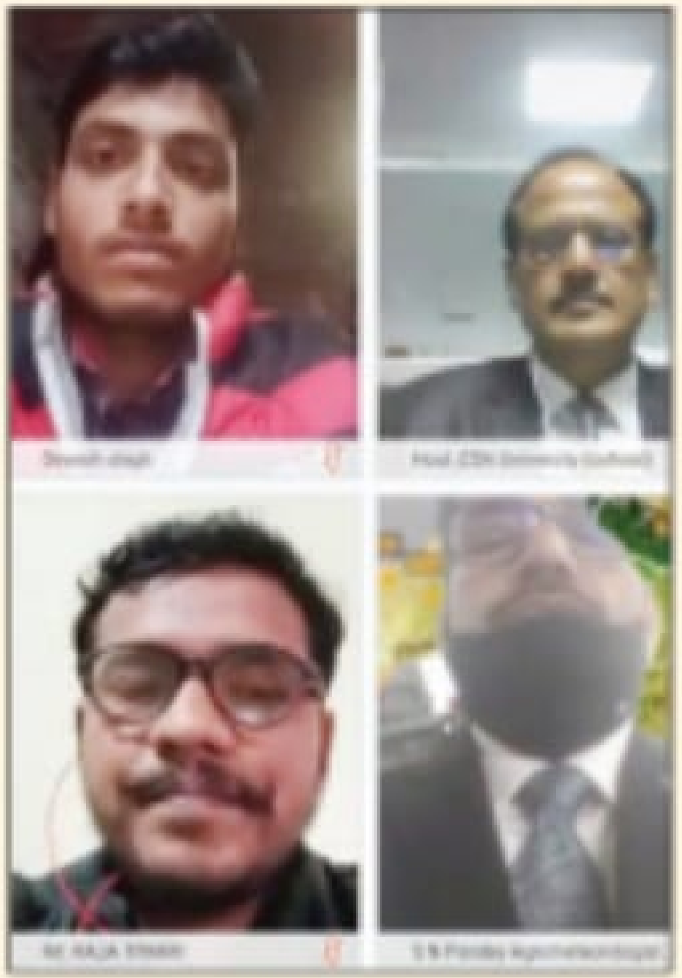

कार्यक्रम का शुभारंभ पर्यावरण के नोडल अधिकारी डॉ.वाई के सिंह द्वारा कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम का सफल संयुक्त संचालन छात्रा अनामिका धर एवं अनुष्का मेहरोत्रा ने किया। वर्चुअल स्तर से 125 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया।इस अवसर पर डॉ एच जी प्रकाश, डॉक्टर धर्मराज सिंह, डॉ. संजीव कुमार, डॉ. डी डी यादव, डॉ. विक्रम सिंह एवं डॉ. एसएन पांडे सहित अन्य संकाय सदस्य उपस्थित रहे।

News Expert
13 hrs · Facebook for Android ·

स्वामी विवेकानंद जी की जयंती पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया

कानपुर नगर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के गृह विज्ञान विभाग की एनएसएस इकाई -3 द्वारा आज स्वामी विवेकानंद जी के जीवन चरित्र एवं शिक्षा विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अधिष्ठाता ग्रह विज्ञान डॉक्टर वेदरतन ने बताया कि स्वामी विवेकानंद जी का जन्म 12 जनवरी 1863 को हुआ था। आपका घर का नाम नरेंद्र दत्त था।स्वामी जी की बुद्धि बचपन से ही बड़ी तीव्र थी और परमात्मा को पाने की लालसा भी प्रबल थी। उन्होंने रामकृष्ण मिशन की स्थापना की थी। डॉक्टर वेदरतन ने बताया कि स्वामी जी के अनुसार हर व्यक्ति को समान रूप से धन, शिक्षा व ज्ञान अर्जित करने का प्राकृतिक अधिकार होना चाहिए।उन्होंने बताया कि स्वामी जी का विचार था कि सामाजिक स्वतंत्रता तथा सामाजिक समानता के बीच समन्वय बिठाकर ही सामाजिक उत्थान के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है।कार्यक्रम समन्वयक डॉ अर्चना सिंह ने बताया कि इस पोस्टर प्रतियोगिता में लगभग 20 छात्राओं ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर डॉ रश्मि सिंह सहित संकाय सदस्य डॉ विनीता सिंह, डॉ मुक्ता गर्ग,डॉक्टर सीमा सोनकर सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। (डॉ खलील खान), मीडिया प्रभारी, चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर।

सीएसए विश्वविद्यालय में वर्चुअल प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

लोकभारती न्यूज ब्यूरो

13/01/2020

कानपुर। स्वामी विवेकानंद के जन्म दिवस अवसर पर पर्यावरण चेतना की चिरस्थ्ययित्व हेतु एक वर्चुअल प्रतियोगिता का आयोजन चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ डीआर सिंह थे। कुलपति ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण का भाव भारतीय संस्कृति में सदैव से विद्यमान रहा है। पर्यावरण चेतना को विकसित करने के लिए युगाअनुकूल चिंतन की जरूरत है। उन्होंने कहा कि पर्यावरणीय आधुनिकीकरण द्वारा पर्यावरण को संरक्षित किया जा सकता है। जरूरत है उसके लिए पूरे मनोयोग से प्रयास करने की। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के लिए हुए चिपकोए मैतीए रक्षा सूत्र आंदोलन के पर्यावरण व सामाजिक प्रभावों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि देश के विकास में युवा पीढ़ी का बहुत बड़ा योगदान होता है। देश के युवाओं को सही मार्गदर्शन मिल सके। इसके लिए प्रत्येक वर्ष स्वामी विवेकानंद जी की जन्म दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय युवा दिवस मनाया जाता है। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने बताया कि इस अवसर पर बीएससी फॉरेस्ट्री द्वितीय वर्ष के छात्र राजा तिवारी ने जैव विविधता का संरक्षण विषय पर अपना व्याख्यान दिया।

चंद्रशेखर आजाद कृषि विश्वविद्यालय में स्वामी विवेकानंद के जीवन चरित्र पर पोस्टर प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

दीपक गौड़

कानपुर(विशाल प्रदेश)चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के गृह विज्ञान विभाग की एनएसएस इकाई द्वारा स्वामी विवेकानंद के जीवन चरित्र एवं शिक्षा विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया इस अवसर पर अधिष्ठाता ग्रह विज्ञान डॉक्टर वेदरतन ने बताया कि स्वामी विवेकानंद जी का जन्म 12 जनवरी 1863 को हुआ था आपका घर का नाम नरेंद्र दत्त था स्वामी जी की बुद्धि बचपन से ही बड़ी तीव्र थी और परमात्मा को पाने की लालसा भी प्रबल थी उन्होंने रामकृष्ण मिशन की स्थापना की थी डॉक्टर वेदरतन ने बताया कि स्वामी जी के अनुसार हर व्यक्ति को समान रूप से धन, शिक्षा व ज्ञान अर्जित करने का प्राकृतिक अधिकार होना चाहिए उन्होंने बताया कि स्वामी जी का विचार था कि सामाजिक स्वतंत्रता तथा सामाजिक समानता के बीच समन्वय बिठाकर ही सामाजिक उत्थान के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है कार्यक्रम समन्वयक डॉ अर्चना सिंह ने बताया कि इस पोस्टर प्रतियोगिता में लगभग 20 छात्राओं ने प्रतिभाग किया इस अवसर पर डॉ रश्मि सिंह सहित संकाय सदस्य डॉ विनीता सिंह, डॉ मुक्ता गर्ग, डॉक्टर सीमा सोनकर सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे

दैनिक भास्कर
04 बुधवार, 13 जनवरी 2021 लखनऊ
जब तक दवाई नहीं, तब तक ढिलाई नहीं
कानपुर, उन्नाव
फर्रुखाबाद, फतेहपुर, कन्नौज

स्वामी विवेकानंद की सीख न सिर्फ छात्र-छात्राओं के लिए बल्कि शिक्षकों के उनके स्वयं के विकास के लिए बेहद आवश्यक है।

सीएसए में स्वामी जी की जंयती के अवसर पर पर्यावरण चेतना पर वर्चुअल प्रतियोगिता

आधुनिकीकरण द्वारा पर्यावरण को किया जा सकता है संरक्षित : कुलपति

- पर्यावरण चेतना को विकसित करने के लिए युगा अनुकूल चिंतन की जरूरत है

भास्कर न्यूज

कानपुर। सीएसए में स्वामी विवेकानंद जी के जंयती अवसर पर पर्यावरण चेतना की चिरस्थायित्व हेतु एक वर्चुअल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. डी.आर. सिंह रहे। कुलपति ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण का भाव भारतीय संस्कृति में सदैव से विद्यमान रहा है। पर्यावरण चेतना को विकसित करने के लिए युगाअनुकूल चिंतन की जरूरत है। उन्होंने कहा कि पर्यावरणीय

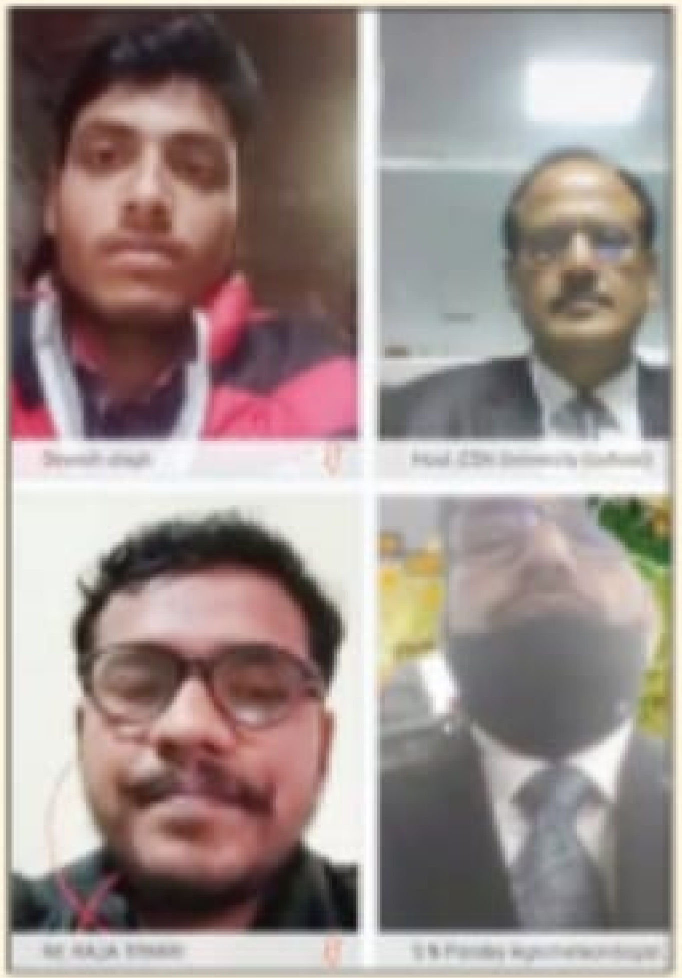

आधुनिकीकरण द्वारा पर्यावरण को संरक्षित किया जा सकता है। जरूरत है उसके लिए पूरे मनोयोग से प्रयास करने की। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के लिए हुए चिपको, मैत्री, रक्षा सूत्र आंदोलन के पर्यावरण व सामाजिक प्रभावों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि देश के विकास में युवा पीढ़ी का बहुत बड़ा योगदान होता है। देश के युवाओं को सही मार्गदर्शन मिल सके। इसके लिए प्रत्येक वर्ष स्वामी विवेकानंद जी की जन्म दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय युवा दिवस मनाया जाता है। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने बताया कि इस अवसर पर बीएससी फॉरेस्ट्री द्वितीय वर्ष के छात्र राजा तिवारी ने जैव विविधता का संरक्षण विषय पर अपना व्याख्यान दिया।श्री तिवारी ने बताया कि जैव विविधता पर्यावरण प्रदूषण के निस्तारण में सहायक होती है। प्रदूषक का विघटन तथा उनका अवशोषण कुछ पौधों की विशेषता होती है।उन्होंने कहा कि सूक्ष्म जीवो की विभिन्न प्रजातियां जहरीले बेकार पदार्थों के साफ सफाई मे सहायक है। इस वर्चुअल प्रतियोगिता मे आज 22 छात्र छात्राओं ने प्रतिभाग कर अपने अपने व्याख्यान दिए।

कार्यक्रम का शुभारंभ पर्यावरण के नोडल अधिकारी डॉ.वाई के सिंह द्वारा कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम का सफल संयुक्त संचालन छात्रा अनामिका धर एवं अनुष्का मेहरोत्रा ने किया। वर्चुअल स्तर से 125 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया इस अवसर पर डॉ एच जी प्रकाश, डॉक्टर धर्मराज सिंह, डॉ. संजीव कुमार, डॉ. डी डी यादव, डॉ. विक्रम सिंह एवं डॉ. एसएन पांडे सहित अन्य संकाय सदस्य उपस्थित रहे।

स्वामी विवेकानंद के जन्म दिवस के अवसर पर पर्यावरण चेतना पर वर्चुअल प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

वर्चुअल प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के कुलपति समेत 125 प्रतिभागियों ने किया प्रतिभाग

शाहिद शेख सिद्दीकी

कानपुर(विशाल प्रदेश)चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर मे स्वामी विवेकानंद के जन्म दिवस अवसर पर पर्यावरण चेतना की चिरस्थ्ययित्व हेतु एक वर्चुअल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ डी0आर0 सिंह थे कुलपति ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण का भाव भारतीय संस्कृति में सदैव से विद्यमान रहा है पर्यावरण चेतना को विकसित करने के लिए युगाअनुकूल चिंतन की जरूरत है उन्होंने कहा कि पर्यावरणीय आधुनिकीकरण द्वारा पर्यावरण को संरक्षित किया जा सकता है जरूरत है उसके लिए पूरे मनोयोग से प्रयास करने की उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के लिए हुए चिपको, मैती, रक्षा सूत्र आंदोलन के पर्यावरण व सामाजिक प्रभावों पर भी प्रकाश डाला उन्होंने कहा कि देश के विकास में युवा पीढ़ी का बहुत बड़ा योगदान होता है देश के युवाओं को सही मार्गदर्शन मिल सके इसके लिए प्रत्येक वर्ष स्वामी विवेकानंद की जन्म दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय युवा दिवस मनाया जाता है विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने बताया कि इस अवसर पर बीएससी फॉरेस्ट्री द्वितीय वर्ष के छात्र राजा तिवारी ने जैव विविधता का संरक्षण विषय पर अपना व्याख्यान दिया राजा तिवारी ने बताया कि जैव विविधता पर्यावरण प्रदूषण के निस्तारण में सहायक होती है प्रदूषक का विघटन तथा उनका अवशोषण कुछ पौधों की विशेषता होती है उन्होंने कहा कि सूचम जीवो की विभिन्न प्रजातियां जहरीले बेकार पदार्थों के साफ सफाई में सहायक है इस वर्चुअल प्रतियोगिता में 22 छात्र छात्राओं ने प्रतिभाग कर अपने अपने व्याख्यान दिए कार्यक्रम का शुभारंभ पर्यावरण के नोडल अधिकारी डॉ0 वाई0के0 सिंह द्वारा कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की गई कार्यक्रम का सफल संयुक्त संचालन छात्रा अनामिका धर एवं अनुष्का मेहरोत्रा ने किया वर्चुअल स्तर से 125 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया इस अवसर पर डॉ0 एच0जी0 प्रकाश, डॉ0 धर्मराज सिंह, डॉ0 संजीव कुमार, डॉक्टर डी0डी0 यादव, डॉक्टर विश्राम सिंह एवं डॉक्टर एस0एन0 पांडे सहित अन्य सक्रिय सदस्य उपस्थित रहे